


विवाह एक आर्य संस्कार की है। इसमें
आय की गण संस्कारों का प्राथमिक अर्थ
पड़ा है।

दिनांक 9.3.18 को पर्व।


9.3.18 प्रथम पक्ष की है। अक्षय

द्वितीय पक्ष अर्थात् वर में एक संस्कार की है।
पड़ा है आय की गण संस्कारों का प्राथमिक अर्थ
अर्थ पड़ा है।

उभय पक्ष उपस्थित। उभय पक्षों के द्वारा
प्रक्रिया की अवधि में किसी प्रकार
के विवाद की सूचना नहीं है।
प्रतिष्ठा की वैधानिक अवधि समाप्त
हो चुकी है। तदनुसार वर
समाप्त किया जाता है।


अक्षय

10.12.20 अक्षय उपस्थित। COVID 19 के कारण समाप्त
समाप्त। तदनुसार वर वर की है।


10/12
अक्षय